वार्षिक प्रतिवेदन
राजनीति विज्ञान विभाग
सत्र 2022-2023

● विभाग का परिचय-

राजनीति विज्ञान विभाग में स्नातक स्तर पर अध्यापन महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1957 से प्रारंभ हुआ तक परास्नातक कक्षाओं में अध्यापन 1982 से प्रारंभ किया गया

स्वीकृत पद-

राजनीति विज्ञान विभाग में 4 सहायक प्राध्यापक पद स्वीकृत है।

विभाग में कार्यरत सहायक प्राध्यापक

1. डॉ.अंजनाठाकुर-प्राध्यापक विभागाध्यक्ष
2. डॉ. अमिता बक्शी-प्राध्यापक
3. डॉ. राजकुमार बंजारे -सहायक प्राध्यापक
4. प्रो. संजय सप्तर्षि -सहायक प्राध्यापक
5. प्रो.हेमंत नंदागौरी -सहायक प्राध्यापक (विधी)

पीछले वर्ष का परीक्षा परिणाम

क्रमांक	कक्षा	छात्र संख्या	उत्तीर्ण	प्रतिशत
1.	बी.ए.प्रथम वर्ष	279	279	100%
2.	बी.ए.द्वितीय वर्ष	240	240	100%
3.	बी.ए. तृतीय वर्ष	220	220	100%
4.	एम.ए. पूर्व	50	48	98%
5.	एम.ए.अंतिम	44	44	100%

सत्र 2022-23 में आयोजित विभगिय गतिविधियां

1.पाठ्यक्रम समिति की बैठक -दिनांक 22 जुलाई 2022

पाठ्यक्रम समिति की बैठक दिनांक 22 जुलाई 2022 को 12.00 बजे आयोजित किया गया ।जिसमे कुलपति के द्वारा मनोनीत डॉ. बी.एन. मेश्राम प्राचार्य, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय,डोंगरगांव,डॉके.बी.शर्मा,प्राचार्य शासकीय,महाविद्यालय,गुड़ियारी,रायपुर, डॉ नागरत्ना गणवीर, शासकीय महाविद्यालय रिसाली,दुर्ग एवं विद्यार्थियों में कु. रोशनी तथा विनीता मदान उपस्थित रहे ।

इस वर्ष नवीन शिक्षा प्रणाली 2020 के अंतर्गत सीबीसीएस/एलओसीएफ को स्नातक प्रथम सेमेस्टर से लागू किया गया साथ ही परास्नातक के प्रथम सेमेस्टर में भारतीय विदेश नीति का नवीन प्रश्न पत्र शामिल किया गया। इसकी पूरी जानकारी अध्ययन मंडल को दी गई तत्पश्चात इनके अनुमोदन द्वारा पाठ्यक्रम में आवश्यक संशोधन किया गया ।

2.तिलक जयंती- 23 जुलाई 2022

प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर निर्देशन में एवं विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग में तिलक जयंती का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप दर्शनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एच एस ऑलरेजा रहे।उन्होंने बताया कि तिलक का भारतीय संस्कृति एवम परंपरा पर आधारित दर्शन ही

उन्हें स्वराज प्राप्ति हेतु प्रेरित करता है। आगे उन्होंने बताया कि किस प्रकार से उन्होंने जनमानस को राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ने सार्वजनिक गणेश उत्सव शुरू किया तथा सामान्य लोगो को आपस में जुड़ने के लिए एक मंच दिया जिससे वे एक दूसरे के विचारो को साझा कर सके तथा आपस में विचार विमर्श कर स्वराज्य हासिल करने का मार्ग प्रशस्त कर सके। तिलक ने स्वराज्य मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर ही रहूंगा का नारा दिया था।

विषय प्रवर्तन करते हुए विभागाध्यक्ष डा. अंजना ठाकुर ने बतलाय की स्वतंत्रता आंदोलन में गरम दल की विचारधारा का प्रतिनिधित्व करने वाले बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को रत्नागिरी महाराष्ट्र में हुआ था. उन्होंने अंग्रेजी भाषा में मराठा एवम मराठी में केसरी समाचार पत्र निकाले। उन्होंने गीता रहस्य,द आर्कटिक होम ऑफ द वेदाज, द ओरिओन' आदि पुस्तके लिखी थी भारतीय असंतोष के जनक बाल गंगाधर तिलक ने स्वराज्य प्राप्ति के लिए स्वदेशी एवं स्वशासन को महत्वपूर्ण बताया। विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने अतिथि का स्वागत किया, संचालन संजय सप्तर्षि ने एवम धन्यवाद ज्ञापन हेमंत नंदा गौरी ने किया। उक्त अवसर पर एम ए तृतीय सेमेस्टर, बी ए द्वितीय एवम तृतीय वर्ष के छात्र उपस्थित रहे।

3.राजनीति विज्ञान परिषद का गठन-परिषद का गठन -09 सितंबर 2022

विभाग की गतिविधियों को संचालित करने हेतु स्नातक एवं स्नातकोत्तर परिषद का गठन 09 सितंबर 2022 को विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में किया गया।

अध्यक्ष- कु. जीतेश्वरी भार्गव

उपाध्यक्ष- गुणवंत सिंह

सचिव- भागवत वर्मा

सहसचिव- रूखमणी

कोषाध्यक्ष- प्रीति साहू

आयोजन प्रभारी- जीवन लाल, सोनम, माधुरी, कविता, दिनेश्वरी, हिमानी, आमीन, गूंजा, सुलोचना प्रचार-प्रसार - लोकेश्वरी, रेशमी, सपना, चांदनी, मोना, खुशबू, सुमन आदि। ज्ञात हो की विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमो में राजनीति विज्ञान परिषद की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं।

4. सरदार भगत सिंह जयंती- दिनांक 28 सितंबर 2022

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव की राजनीति विज्ञान विभाग में प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में सरदार भगत सिंह जी की जयंती के अवसर में सरदार भगत सिंह के राजनीतिक एवं सामाजिक विचार विषय में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. दीपक वर्मा, सहायक प्राध्यापक इतिहास, शासकीय रानी अवंती बाई महाविद्यालय घुमका रहे। कार्यकम में प्रो. संजय सप्तर्षि ने भगत सिंह जी का संक्षिप्त परिचय दिया। विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने उनके बारे बताए की भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के सबसे प्रभावशाली क्रांतिकारियों में से एक, भगत सिंह। उनका जन्म 28 सितंबर, 1907 को हुआ था और महज 23 वर्ष की आयु में देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिये थे। दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर ने विद्यार्थियों से सरदार भगत सिंह के विचारधारा को अपने हृदय में जगाए रखने का आव्हान किया उन्होंने कहा की सरदार भगत सिंह के विचारो पर चल कर अपने लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है। भगत सिंह के द्वारा दिया गया नारा इंकलाब जिंदाबाद कहते ही एक भारतीय के रगो में देशभक्ति की भावना का संचार हो जाता है।इस भावना का सम्मान करना है।

कार्यकम के मुख्य अतिथि प्रो. दीपक वर्मा के द्वारा सरदार भगत के राजनीति एवं सामाजिक विचार विषय में अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने सरदार भगत सिंह का जीवन परिचय दिया। उनके एक सामान्य से नौजवान से सरदार भगत सिंह बनने का एक साहसिक सफर के बारे में बताए गया। जन्म से लेकर अंतिम क्षण तक वे अपने विचारो को बुलंद करने में लगे हुए थे भगत सिंह केवल क्रांतिकारी ही नही वे विचारक, लेखक, समाज सुधारक एवं चिंतक थे।

कार्यक्रम का संचालन प्रो हेमंत नंदागौरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत मे धन्यवाद ज्ञापन प्रो.संजय सप्तर्षि के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर,विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर , प्रो.संजय सप्तर्षि,

प्रो.हेमंत नंदागौरी सहित स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियो में मोना , गीतांजलि, फुलेश्वरी, जीतेश्वरी,ऋतु, ईशा, प्रीति साहू, उन्नति, पल्लवी, दमन लाल, शिवाराम, तरुण, गुणवंत सिंह, माधुरी, कविता आदि ने कार्यकम में भाग लेकर कार्यकम को सफल बनाया।

राजनीति विज्ञान विभाग में सरदार भगत सिंह की जयंती मनाई गई

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव की राजनीति विज्ञान विभाग में प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में सरदार भगत सिंह की जयंती के अवसर में सरदार भगत सिंह के राजनीतिक एवं सामाजिक विचार विषय में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया स कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. दीपक वर्मा, सहायक प्राध्यापक इतिहास, शासकीय रानी अवंती बाई महाविद्यालय चुमका रहेस कार्यक्रम में प्रो. संजय सप्तर्षि ने भगत सिंह जी का संक्षिप्त परिचय दियास विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने उनके बारे बताए की भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के सबसे प्रभावशाली क्रांतिकारियों में से एक, भगत सिंह. उनका जन्म 28 सितंबर, 1907 को हुआ था और महज 23 वर्ष की आयु में देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिये थे. दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर ने विद्यार्थियों से सरदार भगत सिंह के विचारधारा को अपने हृदय में जगाए रखने का आव्हान किया.

5.अंतर्विषयक व्याख्यान- प्रो. ललिता साहू

समाजशास्त्र की सहायक प्राध्यापक प्रो ललिता साहू ने राजनीति विज्ञान के विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन का राजनीतिक प्रभाव विषय पर व्यख्यान दिया। उन्होने बताया कि किस तरह से समाज मे होने वाले परिवर्तनों द्वारा राजनीति में परिवर्तन होता है साथ ही राजनीति द्वारा भी सामाजिक परिवर्तन भी होते है।उक्त अवसर पर विषय विशेषज्ञ का स्वागत डॉ राजकुमार बंजारे ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. हेमंत नन्दा गौरी ने किया साथ ही भारी संख्या में स्नातक स्तर के छात्र उपस्थित रहे।

6.अंतर्विषय व्याख्यान -प्रो. हिरेंद्र बहादुर ठाकुर

इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रो हीरेन्द्र बहादुर ने 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम विषय पर व्यख्यान दिया। उन्होंने बताया कि किस तरह से अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ 1857 में हिन्दुस्तान में आजादी की प्रथम लड़ाई लड़ी गई हालॉकि यह अपने मुकाम तक नही पहुंच पाइ क्योंकि उस समय संचार के साधन नही थे जिसके चलते आम जन इस आंदोलन से नही जुड़ पाया फिर भी इसने भारतीयों के मन मे राष्ट्रवाद की भावना को बल प्रदान किया तथा आने वाले समय मे भारतीय स्वतंत्रता के बारे मे सोच सके और उन्होंने भारत को स्वतंत्र करने के लिए महात्मा गांधी के नेतृत्व मे निर्णायक लड़ाई लड़ी। उक्त अवसर पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

7.अंतर्विषय व्याख्यान- डॉ. ललित प्रधान

प्राचार्य डॉ के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। व्याख्यान का मुख्य विषय ' मनु का राजनीतिक दर्शन' था। जिसमें मुख्य वक्ता के तौर डॉ. ललित प्रधान आर्य ,सहायक प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, ने अपना व्याख्यान दिया।अपने व्याख्यान मे उन्होंने बताया की मनु ने अपने ग्रंथ मनु स्मृति लिखी है जिसे आदिकालीन ग्रंथ मन जाता है जिसमे मनु ने अपने राजनीतिक विचार प्रस्तुत किए है। मनु ने अपने राजनीतिक विचारों में राज्य की उत्पत्ति के दैवीय सिद्धान्त का समर्थन किया है। उसके मतानुसार राज्य की उत्पत्ति समाज में सुशासन तथा व्यवस्था रखने के लिए हुई है। जिस समय कोई राजा नहीं था, उस समय चारों ओर भय और आतंक का साम्राज्य व्याप्त था। शक्तिशाली निर्बल लोगों के अधिकारों को हड़प लेते थे कार्यक्रम का संचालन हेमंत नंदागौरी के द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता का स्वागत डॉ. राजकुमार बंजारे ने किया कार्यक्रम में विभाग के प्रो. संजय सप्तर्षि ने सहयोग दिया। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

8.अंतर्विषय व्याख्यान - डॉ.एस जेनामणि

भूगोल विभाग केसहायक प्राध्यापक डॉ एस.जेनमणि द्वारा जलवायु परिवर्तन पर अंतर्विभागीय व्यख्यान दिया गया।**पृथ्वी पर लगातार विभिन्न प्रकार के गैसों के बढ़ते मिश्रण के कारण वायुमंडलीय तापमान में वृद्धि हुई है। जिस कारण संपूर्ण विश्व में जो प्रभाव उत्पन्न हुआ है। उसे Global Warming (भूमंडलीय तापन) के नाम से जाना जाता है। इस कारण वैश्विक तापन में औसत वृद्धि हुई है। परीणाम स्वरूप मौसम में बदलाव, अतिवृष्टि, अल्पवृष्टि, बाढ़, सूखा जैसी समस्याएं विश्व पटल पर आई है।**

Global Warming (भूमण्डलीय तापन) ग्रीनहाउस गैसों कार्बन डाइऑक्साइड, मिथेन, क्लोरोफ्लोरोकार्बन, नाइट्रस आक्साइड इत्यादि के अत्यधिक उत्सर्जन के कारण होने वाले प्रभावों से हो रहा है। अपने व्यख्यान में उन्होंने बताया कि किस तरह से भूमण्डलीय तापन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जलवायु परिवर्तन हो रहा है जिससे सभी देश चाहे बड़े हो या छोटे, गरीब हो या अमीर समान रूप से प्रभावित है अतः सभी राष्ट्रों की इससे निपटने की समान जिम्मेदारी है कोई भी इससे मुँह नही फेर सकता। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानून बनाने की आवश्यकता है तथा इसको प्रभावी रूप से लागू करना भी जरूरी है। ।उक्त अवसर पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

9.अतिथि व्याख्यान-डॉ. मल्लिका सुर

राजनीति विज्ञान विभाग में वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत विशेष व्याख्यान का आयोजन

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन में तथा विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग में वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत मानवाधिकार और भारतीय संविधान विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ मल्लिका सुर, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, शासकीय महाविद्यालय,अभनपुर रही। उन्होंने व्याख्यान से पहले भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठन करवाया और भारतीय संविधान एवम मानव अधिकार पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मानव अधिकार की धारणा काफी पुराने समय से चली आ रही है परंतु वर्तमान समय में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना तथा सार्वभौम मानवाधिकार की घोषणा (10.12.1948) ने मनवा अधिकार को न केवल सर्वव्यापी बना दिया बल्कि इसके लिए बहुत से अंतर्राष्ट्रीय कानून बनाए गए जिससे लोगो के इन अधिकारो को संरक्षित किया जाए। आगे उन्होंने बताया कि किस तरह भारतीय संविधान मानवाधिकारों को सुरक्षा प्रदान करता है क्योंकि हमारा संविधान केवल अपने देश के नागरिकों के लिए ही मौलिक अधिकार की बात नहीं करता बल्कि वह भारत के बाहर से आए हुए लोगो की बात करता है। इसलिए मानवाधिकार का संरक्षण भारतीय संविधान करता है। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर ने उपस्थित छात्रों से भारतीय संविधान संबंधित प्रश्न पूछे एवम उन्हें उपहार भी दिए। कार्यक्रम का संचालन प्रो. संजय सप्तर्षि ने किया । धन्यवाद ज्ञापन डॉ राजकुमार बंजारे ने किया। उक्त कार्यक्रम में प्रो हेमंत नंदगौरी सहित स्नातक एवम स्नातकोत्तर स्तर के अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भारतीय संविधान मानवाधिकारों को देती है सुरक्षा : डा अंजना

संविधान दिवस पर अपने विचार व्यक्त करते विशेषज्ञ। ● कालेज प्रबंधन

राजनांदगांव (वि.)। दिग्विजय कालेज के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत मानवाधिकार और भारतीय संविधान विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में डा. मल्लिका सुर थी।

उन्होंने व्याख्यान से पहले भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठन करवाया और भारतीय संविधान एवम मानव अधिकार पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मानव अधिकार की धारणा काफी पुराने समय से चली आ रही है परंतु वर्तमान समय में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना तथा सार्वभौम मानवाधिकार की घोषणा 10 दिसंबर 1948) ने मानवाधिकार को न केवल सर्वव्यापी बना दिया। बल्कि इसके लिए बहुत से अंतर्राष्ट्रीय कानून बनाए गए जिससे लोगों के इन अधिकारों को संरक्षित किया जाए।

आगे उन्होंने बताया कि किस तरह भारतीय संविधान मानवाधिकारों को सुरक्षा प्रदान करता है क्योंकि हमारा संविधान केवल अपने देश के नागरिकों के लिए ही मौलिक अधिकार की बात नहीं करता बल्कि वह भारत के बाहर से आए हुए लोगों की बात करता है। इसलिए मानवाधिकार का संरक्षण भारतीय संविधान करता है। व्याख्यान को डा. अंजना ठाकुर ने भी संबोधित किया। प्राचार्य डा. केएल टांडेकर ने उपस्थित छात्रों से भारतीय संविधान संबंधित प्रश्न पूछे एवं उन्हें उपहार भी दिए। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर संजय सप्तर्षि ने किया।

10. मानवाधिकार पर विशेष व्याख्यान : डॉ सीमा खान

राजनीति विज्ञान विभाग में वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत मानवाधिकार और भारतीय शासन व्यवस्था विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया. उक्त अवसर विषय विशेषज्ञ के रूप मे डॉ सीमा खान, विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग ,डी बी कन्या महाविद्यालय, रायपुर रही जिन्होंने भारत मे मानवाधिकार संरक्षण संबंधित कानूनों का वर्णन किया तथा भारतीय परंपरा मे मानवाधिकार के बारे मे भी अवगत कराया। उन्होंने मानवाधिकार संरक्षण मे भारत की वैश्विक स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा की इस मामले मे भारत की छवि महाशक्ति संयुक्त राज्य अमेरिका से भी बेहतर है क्योंकि भारतीय संस्कृति ही मानव मूल्यों के प्रति लोगों को जागरूक करती है जो की भारतीय राजनीतिक व्यवस्था को भी प्रभावित करती है जिसके चलते भारत सरकार ने वैश्विक मानकों के अनुरूप मानवाधिकार संरक्षण कानून बनाए है तथा संविधान मे तो पहले से ही इसे जगह दी है। उक्त अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने विषय के बारे मे अवगत कराया, डॉ राजकुमार बंजारे ने अतिथि का स्वागत किया व प्रो हेमंत नंदगौरी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। उक्त कार्यक्रम में स्नातक एवम स्नातकोत्तर स्तर के अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

11. राजनीति विज्ञान विभाग में संविधान दिवस के अवसर अतिथि व्याख्यान आयोजन

शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन में एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग में सविधान दिवस पर संविधान के प्रस्तवाना का वाचन एवं उस पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ. के.के. द्विवेदी सहायक प्राध्यापक भूगोल शासकीय कमला देवी राठी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के द्वारा दिया गया कार्यक्रम का संचालन संजय सप्तृषि के द्वारा दिया गया। कार्यकम में स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष के द्वारा दिया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ. के.के. द्विवेदी के द्वारा संविधान दिवस की प्रासंगिकता पर व्याख्यान दिया। विद्यार्थियों को सविधान की प्रस्तावना का वाचन करवाया।उन्होंने सविधान दिवस के महत्व को बताया कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजकुमार बंजारे के द्वारा किया गया कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर , डॉ. राजकुमार बंजारे प्रो.संजय सप्तर्षि, प्रो.हेमंत नंदागौरी सहित स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियो समीर भारती,ऋतु निषाद,योगराज सोनम वर्मा,ने कार्यकम में भाग लेकर कार्यकम को सफल बनाया।

12 .राजनिति विज्ञान विभाग में वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत आनलाइन विशेष व्याख्यान का आयोजन

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन एवम विभागाध्यक्ष, राजनिति विज्ञान विभाग, डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत भारत में मानवाधिकार विषय पर आनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ डॉ मणि मेखला शुक्ला,प्राध्यापक, राजनिति विज्ञान विभाग, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई रही जिन्होंने बताया की भारत के सभी धर्मों एवं परम्पराओं में मानवाधिकार विषयक विचार किसी न किसी रूप में निहित रहे हैं और इन्होने काफी हद तक मानव अधिकार के प्रति जागरूकता की वृद्धि करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान समय में मानवाधिकार का विषय द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सर्वव्यापी हुआ जब इसके संरक्षण से संबंधित कानून बने इनमे सबसे महत्वपूर्ण 10 दिसंबर 1948 का संयुक्त राष्ट्र सार्वभौम घोषणा पत्र रहा, इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून है जिसने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जहां तक भारत में मानवाधिकार संरक्षण संबंधी कानूनों के प्रावधान का प्रश्न है तो इस संबंध में 1993 में मानवाधिकार अधिनियम लागू किया गया। ।विषय विशेषज्ञ का स्वागत विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने किया। कार्यक्रम का संचालन वैल्यू एडेड कोर्स के सहसंयोजक प्रो हेमंत नंदागौरी तथा धन्यवाद ज्ञापन डा राजकुमार बंजारे ने किया। उक्त अवसर पर प्रो संजय सप्तर्षि सहित स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के बहुत से छात्र आनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

राजनिति विज्ञान विभाग में वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत आनलाइन विशेष व्याख्यान का आयोजन

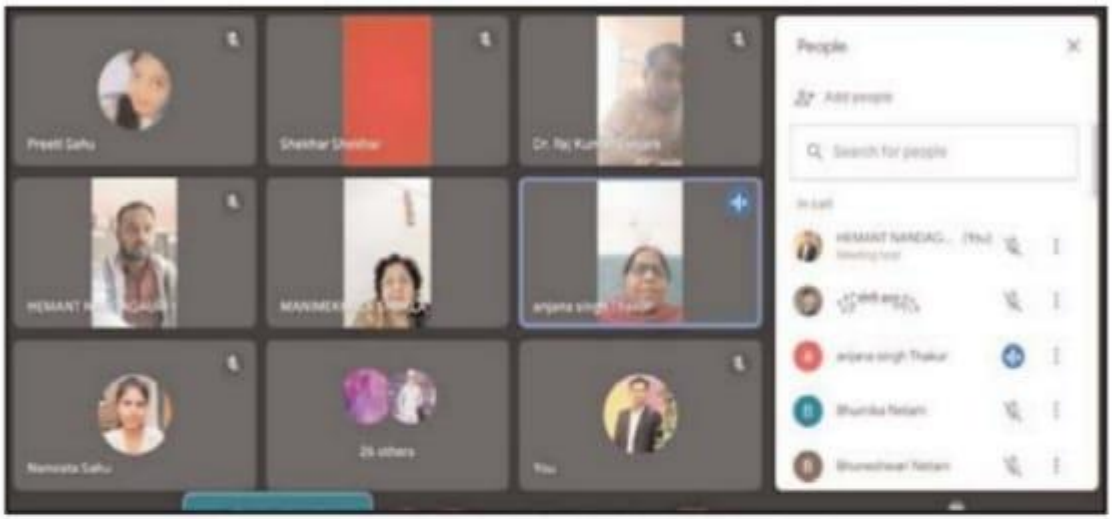

राजनानंदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन एवम विभागाध्यक्ष, राजनिति विज्ञान विभाग, डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत भारत में मानवाधिकार विषय पर आनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ डॉ मणि मेखला शुक्ला,प्राध्यापक, राजनिति विज्ञान विभाग, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई रही जिन्होंने बताया की भारत के सभी धर्मों एवं परम्पराओं में मानवाधिकार विषयक विचार किसी न किसी रूप में निहित रहे हैं और इन्होने काफी हद तक मानव अधिकार के प्रति जागरूकता की वृद्धि करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान समय में मानवाधिकार का विषय द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सर्वव्यापी हुआ जब इसके संरक्षण से संबंधित कानून बने इनमे सबसे महत्वपूर्ण 10 दिसंबर 1948 का संयुक्त राष्ट्र सार्वभौम घोषणा पत्र रहा, इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून है जिसने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जहां तक भारत में मानवाधिकार संरक्षण संबंधी कानूनों के प्रावधान का प्रश्न है तो इस संबंध में 1993 में मानवाधिकार अधिनियम लागू किया गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक समीना बेगम द्वारा नेशनल आर्ट प्रेस, २०७ न्यू हैदराबाग लखनऊ से मुद्रित तथा 431/568/4 नेवाती टोला, मोमिन नगर, निकट हरिसिंह फार्महाउस, कैम्पवेल रोड, लखनऊ से प्रकाशित।

सम्पादक

13 .राजनिति विज्ञान विभाग में आनलाइन व्याख्यान का आयोजन

राजनानंदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन एवम विभागाध्यक्ष, राजनिति विज्ञान विभाग, डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत मानवाधिकार : ऐतिहासिक विकास एवम अवधारणा विषय पर आनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ डॉ मनीषा शर्मा , प्राध्यापक, राजनिति विज्ञान विभाग, शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय, रायपुर रही जिन्होंने मानवाधिकार के ऐतिहासिक विकास को क्रमबद्ध तरीके से अवगत कराते हुए कहा कि मानवाधिकार मानव के मूल से जुड़े हुए अधिकार है जिनके आभाव में मानवीय अस्तित्व की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि मानवाधिकारो की बढ़ते हुए हनन की समस्या ने मानव के गरिमा पूर्ण जीवन एवम अस्तित्व पर ही प्रश्न चिन्ह लगा दिया है।अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस समस्या को दूर करने के लिए बहुत से कानून बनाए गए हैं परंतु जब तक व्यापक रूप से मानवाधिकारों के सम्मान के प्रति जागरूकता नही फैलाई जाएगी तब तक इस समस्या को दूर नही किया जा सकता है।विषय विशेषज्ञ का स्वागत विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने किया। कार्यक्रम का संचालन वैल्यू एडेड कोर्स के सहसंयोजक प्रो हेमंत नंदागौरी तथा धन्यवाद ज्ञापन डा राजकुमार बंजारे ने किया। उक्त अवसर पर प्रो संजय सप्तर्षि सहित स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के बहुत से छात्र आनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

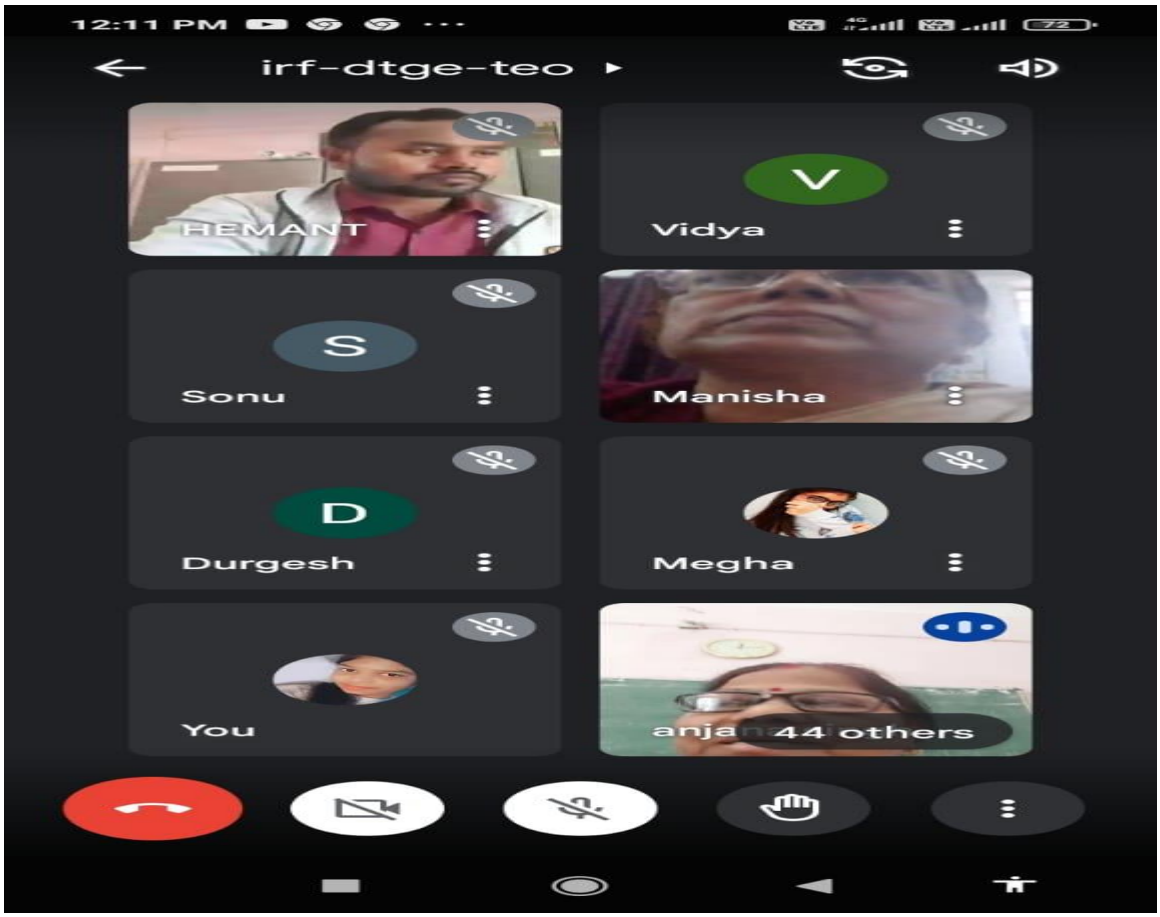

14 .रोजगार एवं कैरियर मार्गदर्शन -डॉ. होमी महिकवार

दिग्विजय स्वशासी पी जी महाविद्यालय ,राजनांदगांव के मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ एवं राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के *प्राचार्य महोदय डॉ. के. एल. टाँडेकर* जी के कुशल मार्गदर्शन मे एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया था! जिसमें जेटकिंग रायपुर संस्थान के सेंटर हेड *श्री होमी महिकवार जी* अतिथि व्याख्यान हेतु आए थे, साथ ही उन्होंने महाविद्यालय संस्थान के साथ (एम.ओ.यू.) स्थापित करने की हार्दिक इच्छा जाहिर की है,यह व्याख्यान संपूर्ण महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं प्राध्यापक गण हेतु आयोजित किया गया था, जिसमे मुख्य विषय *डिजिटल वेलबिंग, साइबर क्राइम,नेक्स्ट जेनरेशन कैरियर* के ऊपर था! महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय ने भविष्य में विद्यार्थियों हेतु इस प्रकार के आयोजन हेतु एच आर विभाग को प्रोत्साहित किया इस आयोजन में मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉक्टर अंजना ठाकुर एवं सदस्य डॉक्टर प्रियंका सिंह एवं प्रोफेसर शरद कुमार तिवारी एवं प्रोफेसर विकास कांडे जी उपस्थित थे!

15 .शिक्षक पालक बैठक-

राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने बैठक में उपस्थित पालकों का स्वागत किया तथा उनसे उनके बच्चो की पढ़ाई से संबंधित चर्चा की। साथ ही उनसे विभाग को और बेहतर करने संबंधी सुझाव भी मांगे। उक्त बैठक में स्नातकोत्तर प्रथम एवम तृतीय सेमेस्टर के छात्रों के पालक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो संजय सप्तर्षि व धन्यवाद ज्ञापन डा राजकुमार बंजारे तथा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रो हेमंत नंदगौरी ने प्रस्तुत की।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Rajnandgaon - 07 Dec 2022 - 07rajn3

नवभारत my city

दिग्विजय कॉलेज में शिक्षक पालक बैठक

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन में तथा विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग में शिक्षक पालक बैठक का आयोजन 23 नवंबर को किया गया. इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने बैठक में उपस्थित पालकों का स्वागत किया तथा उनसे उनके बच्चो की पढ़ाई से संबंधित चर्चा की. साथ ही उनसे विभाग को और बेहतर करने संबंधी सुझाव भी मांगे. उक्त बैठक में स्नातकोत्तर प्रथम एवम तृतीय सेमेस्टर के छात्रों के पालक उपस्थित रहे.

16 .भूतपूर्व छात्र बैठक-

प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन में एवम विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में एलुमनी बैठक दिनांक 29.11.2022 को आयोजित की गई। बैठक की रूपरेखा प्रो संजय सप्तर्षि द्वारा रखी गई। उन्होंने एलुमनी की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह लर्न अर्न और रिटर्न के विचार पर आधारित है इसका तात्पर्य यह है कि आपने महाविद्यालय से शिक्षा(लर्न) ग्रहण करके जो भी हासिल (अर्न) किया अब उसे आपको विभाग को वापस (रिटर्न) करना चाहिए यही इस बैठक का मंतव्य है। आप विभाग के लिए क्या क्या कर सकते है यही आप से अपेक्षा है। उक्त अवसर पर विभाग के पुराने विद्यार्थियों में अमर झा, शिवानी तिवारी, रोशनी शर्मा, श्रेया ताम्रकार सहित अन्य पुरातन छात्र छात्राएं उपस्थित रहे जिन्होंने विभाग को उन्नत बनाने हेतु प्रतिबद्धता जताई। आगंतुकों का स्वागत विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने, धन्यवाद ज्ञापन डा राजकुमार बंजारे ने किया। प्रो हेमंत नंदा गौरी भी उपस्थित रहे।

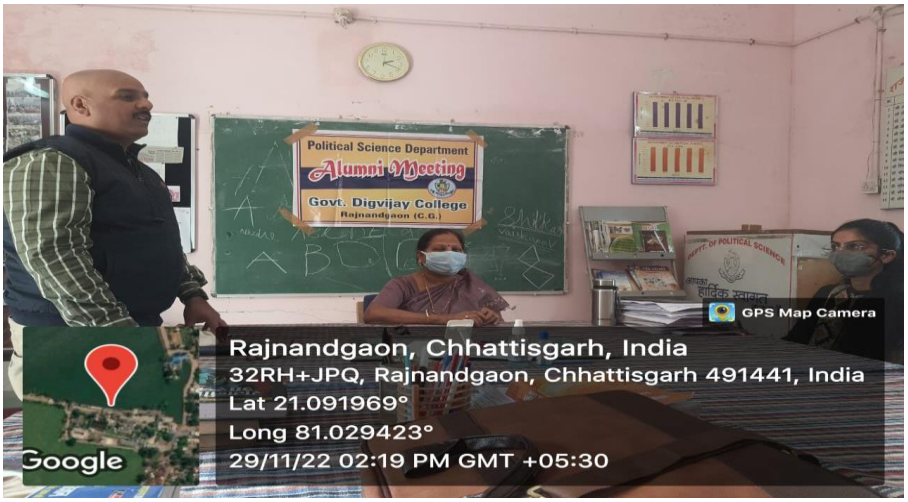

17 .गांधी जयंती

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मनाई गई । उक्त अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने गांधी के राजनीतिक विचारों का साझा करते हुए कहा की गांधी को महात्मा कहना सर्वथा उचित होगा क्योंकि उन्होंने न केवल समाज की विसंगीतियों को दूर करने संबंधी विचार दिए बल्कि अर्थशास्त्र एवं राजनीति संबंधी भी विचार दिए , जहा तक उनके राजनीतिक विचारों के बारे मे कहा जाए तो उन्होंने राम राज्य की अवधारणा दी जिसमे पुलिस व न्यायलय का अभाव होगा तथा सभी अपने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। इस कार्यक्रम का संचालन प्रो हेमंत नंदा गौरी ने किया तथा स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थी भारी संख्या मे मौजूद रहे।

18. राजनिति विज्ञान विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि का आयोजन

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन में एवम विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि का आयोजन कौरीन भाटा में किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई एवम क्षेत्रीय निवासियों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया साथ ही करीब 65 लोगो से मतदाता जागरूकता संबंधी सर्वेक्षण किया गया। इसी दौरान शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला के बच्चो से भी मतदाता जागरूकता एवम सामान्य जानकारी संबंधी प्रश्न पूछे गए जिसका उन्होंने सही जवाब दिया। हेड मास्टर श्रीमति रामबती चंद्रवंशी ने विद्यालय के बारे में जानकारी दी तथा महाविद्यालय के छात्रों को विद्यालय आने तथा छात्रों का उत्साहवर्धन करने के लिए धन्यवाद दिया।उक्त कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर, डा राजकुमार बंजारे, प्रो संजय सप्तर्षि,प्रो हेमंत नंदागौरी सहित स्नातकोत्तर प्रथम एवम तृतीय सेमेस्टर के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

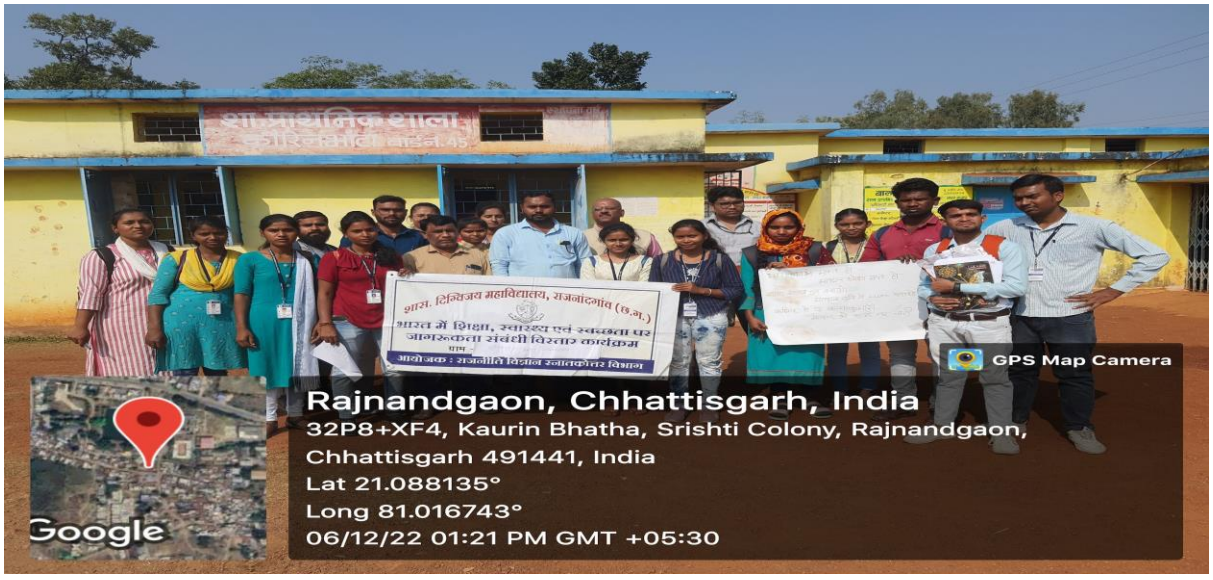

राजनिति विज्ञान विभाग दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव द्वारा विस्तार गतिविधि का आयोजन

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन में एवम विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि का आयोजन कौरीन भाटा में किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई एवम क्षेत्रीय निवासियों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया साथ ही करीब 65 लोगो से मतदाता जागरूकता संबंधी सर्वेक्षण किया गया। इसी दौरान शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला के बच्चो से भी मतदाता जागरूकता एवम सामान्य जानकारी संबंधी प्रश्न पूछे गए जिसका उन्होंने सही जवाब दिया। हेड मास्टर श्रीमति रामवती चंदवंशी ने विद्यालय के बारे में जानकारी दी तथा महाविद्यालय के छात्रों को विद्यालय आने तथा छात्रों का उत्साहवर्धन करने के लिए धन्यवाद दिया।उक्त कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर, डा राजकुमार बंजारे, प्रो संजय ससर्षि,प्रो हेमंत नंदागौरी सहित स्नातकोत्तर प्रथम एवम तृतीय सेमेस्टर के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

19.साक्षी फाउंडेशन -ऑनलाइन वेबिनार

साक्षी फॉउंडेशन द्वारा रासेयो एवं राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वाधान में ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम किया संपन्न।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वाधान में रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी प्रो.संजय सप्तर्षी, राजनीति विज्ञान विभाग विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर, डॉ राजकुमार बंजारे, सहायक प्राध्यापक, प्रो. हेमंत नंदगौरी के नेतृत्व में साक्षी फाउंडेशन द्वारा चलाये जा रहे है प्रोजेक्ट द रक्षिन के विषय में ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया। साक्षी फाउंडेशन ने बताया की किस प्रकार एक लड़की एक महिला या छोटी बच्चियों के यौन शोषण को रोकने के लिए द रक्षिन प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। साक्षी फाउंडेशन ने ही यौन उत्पीड़न अधिनियम 2010, किशोर न्याय अधिनियम 2010, पाक्सो एक्ट 2012 को लागु करवाएं। इन अधिनियमो के लागु होने के वजह से आज बाल यौन शोषण में कुछ सुधार हुआ और आज भी इसमें सुधार बाकि है इसी वजह से जागरूकता कार्यक्रम लगातार संचालित कर रही है। साथ ही उन्होंने बताया की बाल यौन शोषण के दुर्व्यवहार क्या है किन किन कारणों से हम शोषण के शिकार होते है यह विस्तार से बताएं। बच्चों युवतियों के साथ साथ युवको के साथ भी शोषण किया जाता है तो इस विषय में भी साक्षी फाउंडेशन ने कैसे शिकायत दर्ज करनी है और किस प्रकार शोषण के शिकार होने से बचना है बताया। अंत में कार्यक्रम का आभार रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संजय सप्तर्षी द्वारा किया गया और उन्होंने कहा की इस प्रोजेक्ट के तहत हम महाविद्यालय स्तर में पर भी जागरूकता अभियान चलायेंगें। इस कार्यक्रम में रासेयो के स्वयंसेवक थानसिंह साहू, दीपक कुमार, विनोद टेम्बुकर, टिकेश्वरी देवांगन रीना साहू अंजलि यादव एवं अन्य लगभग 50 स्वयंसेवी कार्यक्रम में जुड़े रहे।

साक्षी फॉउंडेशन द्वारा ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

राजनांदगांव/अमर छत्तीसगढ़।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो.संजय सप्तर्षी के नेतृत्व में साक्षी फाउंडेशन द्वारा चलाये जा रहे है प्रोजेक्ट द रक्षिन के विषय में ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया गया। साक्षी फाउंडेशन ने बताया की किस प्रकार एक लड़की एक महिला या छोटी बच्चियों के यौन शोषण को रोकने के लिए द रक्षिन प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। साक्षी फाउंडेशन ने ही यौन उत्पीड़न अधिनियम 2010, किशोर न्याय अधिनियम 2010, पाक्सो एक्ट 2012 को लागु करवाएं। इन

अधिनियमो के लागु होने के वजह से आज बाल यौन शोषण में कुछ सुधार हुआ और आज भी इसमें सुधार बाकि है इसी वजह से जागरूकता कार्यक्रम लगातार संचालित कर रही है। साथ ही उन्होंने बताया की बाल यौन शोषण के दुर्व्यवहार क्या है किन किन कारणों से हम शोषण के शिकार होते है यह विस्तार से बताएं। बच्चों युवतियों के साथ साथ युवको के साथ भी शोषण किया जाता है तो इस विषय में भी साक्षी फाउंडेशन ने कैसे शिकायत दर्ज करनी है और किस प्रकार शोषण के शिकार होने से बचना है बताया। अंत में कार्यक्रम का आभार रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. संजय सप्तर्षी द्वारा किया गया और उन्होंने कहा की इस प्रोजेक्ट के तहत हम महाविद्यालय स्तर में पर भी जागरूकता अभियान चलायेंगें। इस कार्यक्रम में रासेयो के स्वयंसेवक थानसिंह साहू, दीपक कुमार, विनोद टेम्बुकर, टिकेश्वरी देवांगन रीना साहू अंजलि यादव एवं अन्य लगभग 50 स्वयंसेवी कार्यक्रम में जुड़े रहे।

20.व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान:

राजनीति विज्ञान एवं मानव विकास संसाधन समिति के संयुक्त तत्वधान में व्यक्तित्वविकास पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन में राजनीति विज्ञान एवं मानव विकास संसाधन समिति के संयुक्त तत्वधान में डॉ. अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग में व्यक्तित्व विकास पर विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ. बसंत सोनबेर , सहायक प्राध्यापक मनोविज्ञान शासकीय कमला देवी महिला महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.) रहे । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया गया । कार्यक्रम का संचालन प्रो संजय सप्तृषि के द्वारा किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर के द्वारा स्वागत भाषण देकर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया उन्होंने ने व्यक्तिव विकास पर संक्षेप में समझाया । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर समस्त विद्यार्थियों से अपने व्यक्तित्व के विकास में सही समय में सही कदम उठने की बात कही उन्होंने नवीन युवा पीढ़ी को अपने व्यक्तिव में महापुरुषों के समान कार्य करने की सलाह दी गई साथ ही अपने से वरिष्ठ लोगो की बातो पर अमल करने का विचार दिया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. बसंत सोनबेर ने पीपीटी के मध्यम से अपनी विचार बच्चो से साझा किया उन्होंने कहा की किसी भी कार्य करने के लिए एक अच्छे व्यक्तिव के अच्छा व्यवहार बहुत जरूरी है साथ ही अच्छी विचार का जीवन में लाना जरूरी है कुविचारों से दूरी बनया रखना अच्छा होता है । धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजकुमार बंजारे के द्वारा किया गया कार्यक्रम में डॉ के एल टांडेकर,डॉ. अंजना ठाकुर , डॉ. राजकुमार बंजारे प्रो.संजय सप्तृषि, प्रो गोकुल राम निषाद ,प्रो वंदना मिश्रा , प्रो.हेमंत नंदागौरी सहित स्नातक एवं स्नातकोत्तर के सौ विद्यार्थियो में गीतांजलि साहू, सुरेखा , अनिता पूजा आरती प्रभा आभा, रवि, किशोर आदि ने कार्यकम में भाग लेकर कार्यकम को सफल बनाया।

राजनीति विज्ञान एवं मानव विकास संसाधन समिति के संयुक्त तत्वधान में व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के निर्देशन में राजनीति विज्ञान एवं मानव विकास संसाधन समिति के संयुक्त तत्वधान में डॉ. अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग में व्यक्तित्व विकास पर विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ. बसंत सोनबेर, सहायक प्राध्यापक मनोविज्ञान शासकीय कमलादेवी महिला महाविद्यालय रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया गया।

कार्यक्रम का संचालन प्रो संजय सप्तर्षि के द्वारा किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर के द्वारा स्वागत भाषण देकर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। उन्होंने ने व्यक्तित्व विकास पर संक्षेप में समझाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर समस्त विद्यार्थियों से अपने व्यक्तित्व के विकास में सही समय में सही कदम उठने की बात कही। उन्होंने नवीन युवा पीढ़ी को अपने व्यक्तित्व में महापुरुषों के समान कार्य करने की सलाह दी गई। साथ ही अपने से वरिष्ठ लोगो की बातो पर अमल करने का विचार दिया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. बसंत सोनबेर ने पीपीटी के मध्यम से अपनी विचार बच्चों से साझा किया उन्होंने कहा की किसी भी कार्य करने के लिए एक अच्छे व्यक्तित्व के अच्छा व्यवहार बहुत जरूरी है। साथ ही अच्छे विचार का जीवन में लाना जरूरी है। कुविचारों से दूरी बनया रखना अच्छा होता है हु धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजकुमार बंजारे के द्वारा किया गया कार्यक्रम में डॉ के एल टांडेकर, डॉ. अंजना ठाकुर, डॉ. राजकुमार बंजारे प्रो.संजय सप्तर्षि, प्रो गोकुलराम निषाद, प्रो वंदना मिश्रा, प्रो.हेमंत नंदागौरी सहित स्नातक एवं स्नातकोत्तर के सौ विद्यार्थियो मे गीतांजलि साहू, सुरेखा, अनिता पूजा आरती प्रभा आभा, रवि, किशोर आदि ने कार्यक्रम में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

21 .राजनिति विज्ञान विभाग द्वारा मानवाधिकार दिवस का आयोजन

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन एवम विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के अतिथियो में श्री नारायण कन्नौजे, शासकीय लोक अभियोजक, राजनांदगांव, श्री गजेन्द्र बख्शी, वरिष्ठ अधिवक्ता, एवम श्रीमति शारदा तिवारी, समाजसेवी व वरिष्ठ अधिवक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो संजय सप्तर्षि के द्वारा किया गया

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नारायण कन्नौजे ज़िला लोक अभियोजन अधिकारी रहे उन्होंने कहा कि मानव अधिकार किसी मानव को जिवित रहते हुए भी एवं मृत्यु के बाद भी मिलते है मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की चर्चा करते हुए राष्ट्रीय मानव आयोग की स्थापना की गई उन्होंने कहा कि आयोग स्वत संज्ञान लेते हुए कई प्रकार के विवाद का निपटारा कराती है उनके द्वारा विभिन्न वाद निर्णय के आधार पर मानवाधिकार के वादों पर चर्चा की। माननीय उच्चतम न्यायालय के द्वारा समय समय पर मानव अधिकार का विस्तार करते आ रहा है विशेष अतिथि श्रीमति शारदा तिवारी जी ने कहा कि बिना कर्तव्यों के अधिकार अधूरा है

विशेष अतिथि श्री गजेंद्र बक्शी ने कहा कि जो कर्तव्य परायण होगा वहीं अधिकारों का उपभोग करेगा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. तांडेकर के द्वारा मानवाधिकार की वर्तमान परिपेक्षता का बताए गया विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर स्वागत भाषण एवम् 30 दिवसीय वैल्यू एडेड कोर्स की समीक्षा प्रस्तुत की गई वैल्यू एडेड कोर्स के सह संयोजक प्रो हेमंत नंदा गौरी के द्वारा वैल्यू एडेड कोर्स का समापन भी महाविद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन में किया गया

वैल्यू एडेड कोर्स को सफलता पूर्वक पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत क्विज प्रतियोगिता के सफल विधार्थियो को पुरस्कार प्रदान किया गया कार्यकम में धन्यवाद ज्ञापन सह संयोजक प्रो हेमंत नंदागौरी के द्वारा किया गया। कार्यकम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर, विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर श्री नारायण कन्नौजे शासकीय लोक अभियोजक, राजनांदगांव, श्री गजेन्द्र बख्शी, वरिष्ठ अधिवक्ता, एवम श्रीमति शारदा तिवारी, समाजसेवी व वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. राजकुमार बंजारे, प्रो संजय सप्तर्षि, प्रो हेमंत नंदागौरी मौजूद रहे। कार्यकम को सफल बनाने में राजनीति विज्ञान विभाग के एम ए पूर्व एवम् एम ए अंतिम के विद्यार्थियों में सचिन, समीर भारती, प्रीति योगराज मधु माधुरी गीतांजलि उन्नति जैन सुरेखा ऋतु निषाद उर्वशी ने कार्यकम विशेष योगदान दिया।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा मानवाधिकार दिवस का आयोजन

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन एवम विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के अतिथियो में श्री नारायण कन्नौजे, शासकीय लोक अभियोजक, राजनांदगांव, श्री गजेन्द्र बख्शी, वरिष्ठ अधिवक्ता, एवम श्रीमति शारदा तिवारी, समाजसेवी व वरिष्ठ अधिवक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो संजय सप्तर्षि के द्वारा किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नारायण कन्नौजे जिला लोक अभियोजन अधिकारी रहे उन्होंने कहा कि मानव अधिकार किसी मानव को जिवित रहते हुए भी एवं मृत्यु के बाद भी मिलते है मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की चर्चा करते हुए राष्ट्रीय मानव आयोग की स्थापना की गई उन्होंने कहा कि आयोग स्वत संज्ञान लेते हुए कई प्रकार के विवाद का निपटारा कराती है उनके द्वारा विभिन्न वाद निर्णय के आधार पर मानवाधिकार के वादों पर चर्चा की ड्ड माननीय उच्चतम न्यायालय

के द्वारा समय समय पर मानव अधिकार का विस्तार करते आ रहा है विशेष अतिथि श्रीमति शारदा तिवारी जी ने कहा कि बिना कर्तव्यों के अधिकार अधूरा है विशेष अतिथि श्री गजेंद्र बक्शी ने कहा कि जो कर्तव्य परायण होगा वहीं अधिकारों का उपभोग करेगा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. तांडेकर के द्वारा मानवाधिकार की वर्तमान परिपेक्षता का बताए गया विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर स्वागत भाषण एवम् 30 दिवसीय वैल्यू एडेड कोर्स को समीक्षा प्रस्तुत की गई वैल्यू एडेड कोर्स के सह संयोजक प्रो हेमंत नंदा गौरी के द्वारा वैल्यू एडेड कोर्स का समापन भी महाविद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन में किया गया वैल्यू एडेड कोर्स को सफलता पूर्वक पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत क्विज प्रतियोगिता के सफल विधार्थियो को पुरस्कार प्रदान किया गया कार्यकम में धन्यवाद ज्ञापन सह संयोजक प्रो हेमंत नंदागौरी के द्वारा किया गयाड्ड कार्यकम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर, विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर श्री नारायण कन्नौजे शासकीय लोक अभियोजक, राजनांदगांव, श्री गजेन्द्र बख्शी, वरिष्ठ अधिवक्ता, एवम श्रीमति शारदा तिवारी, समाजसेवी व वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. राजकुमार बंजारे, प्रो संजय सप्तर्षि, प्रो हेमंत नंदागौरी मौजूद रहे ड्ड कार्यकम को सफल बनाने में राजनीति विज्ञान विभाग के एम ए पूर्व एवम् एम ए अँतिम के विद्यार्थियों में सचिन, समीर भारती, प्रीति योगराज मधु माधुरी गीतांजलि उन्नति जैन सुरेखा ऋषु निषाद उर्वशी ने कार्यकम विशेष योगदान दिया।

22 . संविधान दिवस के अवसर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

सविधान दिवस के अवसर पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के समस्त विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के लगभग 100 ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया संविधान से संबंधित प्रश्नों पर आधारित था इस क्विज प्रतियोगिता का आयोजन का मुख्य उद्देश्य संविधान के प्रति लोगो में जागरूकता लाने हेतु किया गया। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर , डॉ. राजकुमार बंजारे प्रो.संजय सप्तर्षि, प्रो.हेमंत नंदागौरी सहित स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियो समीर भारती,ऋतु निषाद,योगराज सोनम वर्मा इस प्रतियोगिता में भाग लिया।

23.आनलाईन आतिथि व्याख्यान - डॉ. नागरत्ना गणवीर

राजनानंदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के निर्देशन एवम विभागाध्यक्ष, राजनिति विज्ञान विभाग, डॉ अंजना ठाकुर के मार्गदर्शन में भारत मे संसदीय शासन व्यवस्था विषय पर आनलाईन अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप मे डॉ. नागरत्ना गणवीर, प्रभारी प्राचार्य एवं सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान, शासकीय नवीन महाविद्यालय, रिसली,भिलाई -3 , दुर्ग , ने आनलाईन माध्यम से व्याख्यान देते हुए कहा की भारत की संसदीय शासन व्यवस्था भारत के लोकतंत्र का आधार स्तंभ है जो बिना किसी विवाद के पिछले 76 वर्षों से सुगमता पूर्वक बनी हुई है। उन्होंने ये भी बताया की किस तरह से पड़ोसी राज्यों मे लोकतंत्र के नाम पर संसद का दुरुपयोग किया जा रहा है। उक्त अवसर पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र एवं विभागीय प्राध्यापक ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

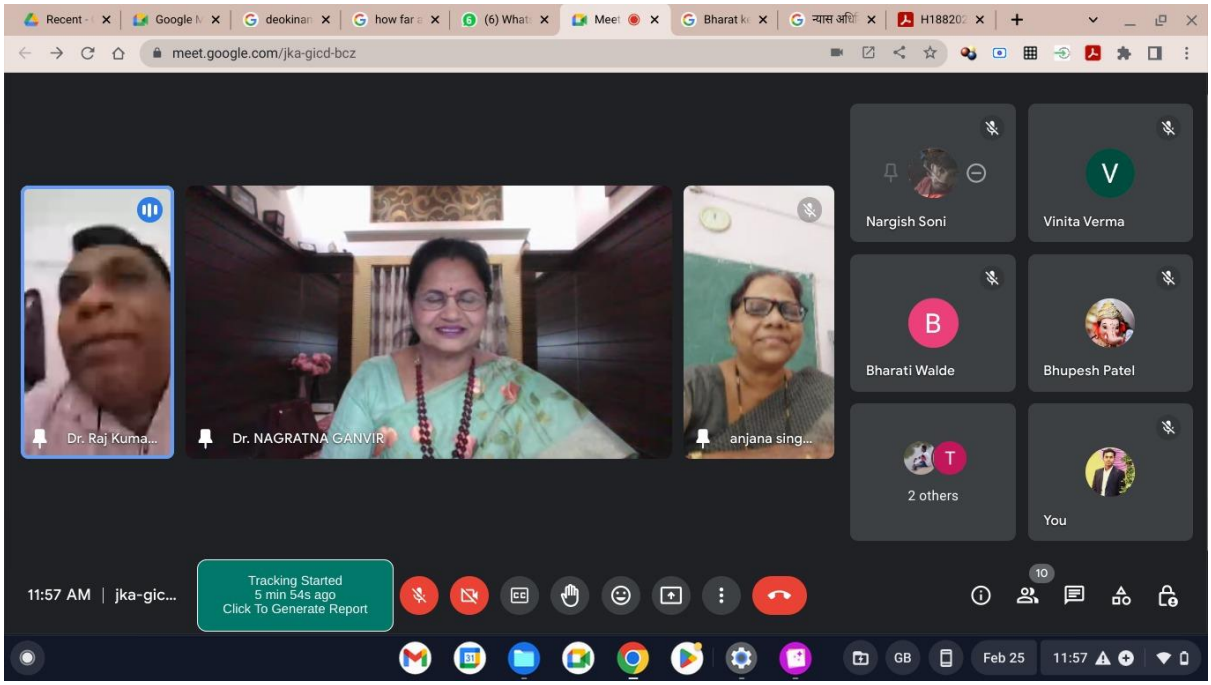
meet.google.com/jka-gicd-bcz
Dr. Raj Kuma...
Dr. NAGRATNA GANVIR
anjana sing...
Nargish Soni
V
Vinita Verma
B
Bharati Walde
Bhupesh Patel
T
2 others
You
11:57 AM | jka-gic...
Tracking Started
5 min 54s ago
Click To Generate Report
10
GB
Feb 25
11:57

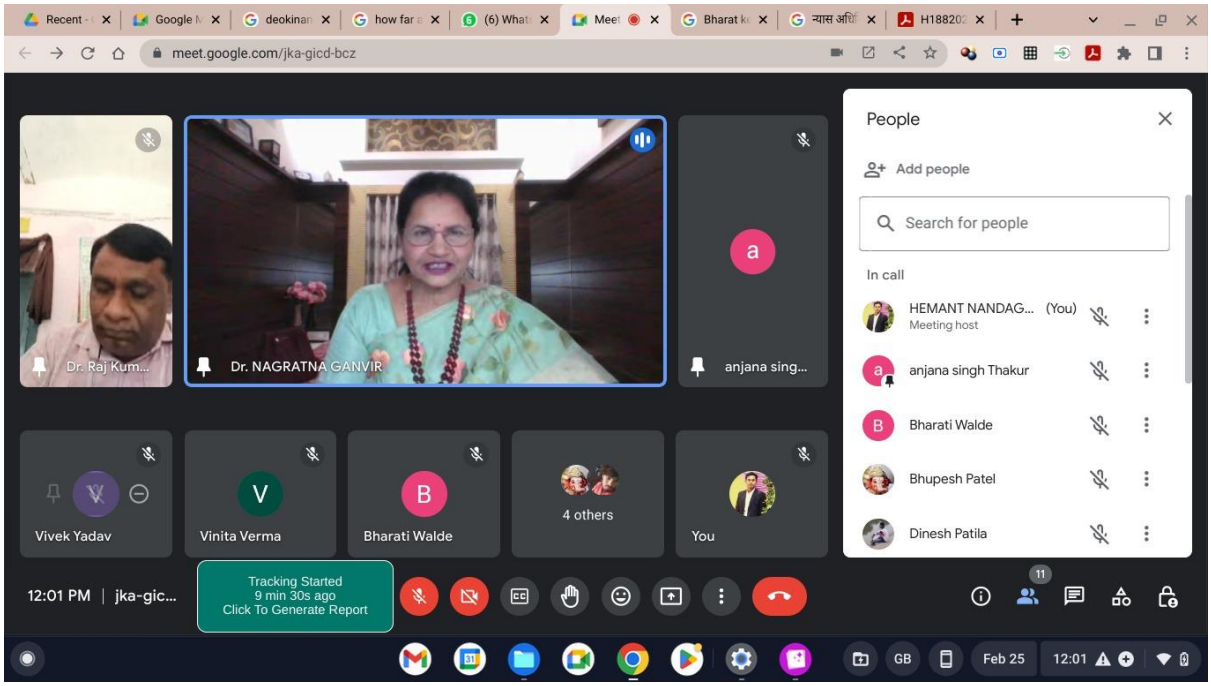
meet.google.com/jka-gicd-bcz
Dr. Raj Kum...
Dr. NAGRATNA GANVIR
a
anjana sing...
People
Add people
Search for people
In call
HEMANT NANDAG... (You)
Meeting host
anjana singh Thakur
Bharati Walde
Bhupesh Patel
Dinesh Patila
Vivek Yadav
V
Vinita Verma
B
Bharati Walde
4 others
You
12:01 PM | jka-gic...
Tracking Started
9 min 30s ago
Click To Generate Report
11
GB
Feb 25
12:01

24 . शैक्षणिक भ्रमण - छतीसगढ़ विधानसभा रायपुर

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 20 मार्च 2023 को स्नातकोत्तर पूर्व एवं अंतिम के विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत छतीसगढ़ विधानसभा रायपुर का भ्रमण किया

स्नातकोत्तर के सभी विद्यार्थियों ने विधानसभा भवन में विधानसभा सत्र को देखा वहां होने वाली विभिन्न कार्यवाहियों पर बहुत ही गंभीरता से अवलोकन किया

विधानसभा के सत्र में चल रही कार्यवाही को गंभीरता से समझा साथ ही साथ विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर के द्वारा सत्र की कार्यवाही पर विभिन्न जानकारियां विद्यार्थियों को बताया गया

सभा की कार्यवाही के अवलोकन पश्चात् सभी विद्यार्थियों को सेंट्रल हॉल दिखाया गया उसके बाद सभी कतारबद्ध होकर विधानसभा के ग्रंथालय में गए जहां विभिन्न प्रकार की पुस्तकों पत्र पत्रिका जनरल विधि की पुस्तकों का अवलोकन किया । विधान सभा भ्रमण से पहले चंदखुरी स्थित कौशल्या माता मंदिर का दर्शन किया गया ।

25 .एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी -भारतीय राजनीति दशा एवं दिशा

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.) राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का एक दिवसीय आयोजन 26 मार्च 2023 को भारतीय राजनीति दशा एवं दिशा विषय पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर के निर्देशन, डॉ. अंजना ठाकुर विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमें संयोजक डॉ राजकुमार बंजारे, सह संयोजक श्री हेमंत नंदागौरी, आयोजन सचिव श्री संजय सप्तर्षि एवं एम.ए. पूर्व व अंतिम के विद्यार्थियों महाविद्यालयों के अधिकारियों/कर्मचारियों के सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा।

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में 44 ऑनलाइन पंजीयन 161 ऑफ ऑनलाइन पंजीयन हुआ। कुल पंजीयन में से 51 पंजीयन प्राध्यापकों द्वारा 41 शोध छात्रों द्वारा व 113 छात्र-छात्राएं थे। फुल 93 शोध संक्षेपिका प्राप्त हुए थे। संक्षेपिका का सोविनियर का विमोचन किया गया।

उद्घाटन सत्र:- प्रातः 10ः30 बजे माननीय अतिथियों का मंच पर आगमन हुआ, 10ः45 बजे ज्ञान की देवी सरस्वती माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना 11ः00 बजे अतिथियों का बुके एवं बेंच लगा कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि माननीय डॉ बंशगोपाल सिंह, कुलपति पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा ऑनलाइन मोड पर उपस्थित रहे। अध्यक्षता डॉ के.एल. टांडेकर प्राचार्य शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव, विशिष्ट अतिथि डॉ आर. के. पुरोहित पूर्व प्राचार्य शासकीय दंतेश्वरी महाविद्यालय दंतेवाड़ा (छ.ग.) डॉ. निसार उल हक, प्राध्यापक राजनीति विज्ञान विभाग जामिया मिलिया इस्लामिया, केंद्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली, डॉ. राजेन्द्र कुमार मिश्र विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा मध्यप्रदेश, डॉ. मंदाकिनी माहोरे विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, जे. एन. महाविद्यालय वाड़ी नागपुर (महाराष्ट्र) श्री रतनलाल डांगी (आई.पी.एस) आई.जी. पुलिस प्रशिक्षण अकादमी चंद्रपुरी रायपुर (छ.ग.) एवं समापन सत्र के मुख्य अतिथि श्री दिलीप वासनिक (आई.ए.एस) विभागीय जाँच आयुक्त छत्तीसगढ़ एवं विभिन्न राज्यों से आए प्राध्यापक, शोधार्थी व विद्यार्थी द्वारा अपने-अपने शोध पत्रों का वाचन किया गयां

राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर ने अपने स्वागत उद्बोधन में समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजन के रूप रेखा एवं उद्देश्यों का विस्तार से प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य उद्घाटन एवं समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. के. एल. टाण्डेकर ने कहा कि स्वर्गीय महंत राजा दिग्विजय दास द्वारा उच्च शिक्षा के लिए एक दीप प्रज्वलित किया गया था जो एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। इस महाविद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा राजनीतिक, प्रशासनिक सेवा एवं सामाजिक सेवा जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सुशोभित होकर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पं. सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर के माननीय कुलपति डॉ. बंशगोपाल सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान राजनीति सत्ता पर काबिज होने और जनता को प्रभावित करने की राजनीति है। राजनीति के इर्द-गिर्द सारी व्यवस्थाएं घूम रही है यह बड़ी विडंबना है। राजनीति को समाजवादी सोचा से मुक्त होना चाहिए।

प्रथम तकनीकी सत्र के विषय विशेषज्ञ डॉ. निसार उल हक के प्राध्यापक, जामिया मिलिया इस्लामिया केंद्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने कहा कि गांधी जी ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा। भारत का इंस्टीट्यूशन दुनिया

का सर्वश्रेष्ठ इंस्टिट्यूशन है। भारत का डेमोक्रेसी मजबूत है। डेमोक्रेसी का मतलब केवल वोट डालने तक सीमित नहीं है। वास्तविक प्रतिनिधि वह होता है जो जनता का प्रतिनिधित्व करें ना कि किसी पार्टी का। डॉ. राजेंद्र कुमार मिश्र ने विषय विशेषज्ञ के रूप में भारतीय राजनीति की दशा एवं दिशा पर सारगर्भित और व्यावहारिक व्याख्यान देते हुए कहा कि वर्तमान राजनीति मंत्रिमंडलीय शासन प्रणाली पर आधारित है। जो कि लोकतंत्र के लिए घातक है। लोकतंत्र भीड़ तंत्र को बदल रहा है। विकास की अवधारणा केवल अधोसंरचना के विकास तक सीमित न होकर जनता के समग्र विकास पर पर्याप्त होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित निदेशक राज्य पुलिस अधीक्षक अकादमी चंदखुरी रायपुर के आई.पी.एस. अधिकारी श्री रतनलाल डांगी ने अपने शोध पत्र का वाचन करते हुए कहा कि भारतीय राजनीति सबको पढ़ना करना चाहिए। देश कैसे चलता है इसका पता होना चाहिए। भारतीय राजनीति एवं नक्सल समस्या पर प्रकाश डाला और बुद्ध एवं अंबेडकर के विचारों का अनुसरण करना चाहिए। दंतेश्वरी महाविद्यालय दंतेवाड़ा के पूर्व प्राचार्य डॉ. आर. के. पुरोहित ने द्वितीय तकनीकी सत्र के अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि व्यवहारवाद हमारे शासन की दशा एवं दिशा के निर्धारित करता हैं। महत्वपूर्ण रोचक प्रसंगों के माध्यम से उन्होंने भारतीय राजनीति को स्पष्ट किया।

तृतीय तकनीकी सत्र के विषय विशेषज्ञ जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय वाडी नागपुर (महाराष्ट्र) से आमंत्रित राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मंदाकिनी महोरे ने भारतीय राजनीति के स्याह पक्ष को उजागर किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि विभागीय जाँच आयुक्त आई.ए.एस. श्री दिलीप वासनिक ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान राजनीति की विसंगतियों पर यथार्थपरक व्याख्यान दिये।

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग.)

भारतीय राजनीति : दशा एवं दिशा

26 मार्च 2023, रविवार

आयोजक - राजनीति विज्ञान विभाग

पंजीयन शुल्क

प्राध्यापक एवं सहा. प्राध्यापक हेतु	500/-
शोधार्थियों एवं अतिथि व्याख्याता हेतु	300/-
विद्यार्थियों हेतु	200/-

Online/Offline Payment

BANK NAME : STATE BANK OF INDIA
BENEFIARY : CONTROLLER AUTONOMOUS DMV RJN
ACCOUNT NO. : 10564179491
IFSC CODE : SBIN0000464
MICR NO. : 491002101
BRANCH NAME : MAIN BRANCH

After Payment Please Upload A Screenshot of the Transaction Detail In Google Form

शोध पत्र : पंजीयन लिंक -
https://forms.gle/u6ApxssfYCHZTQjp6

राष्ट्रीय संगोष्ठी हेतु शोध पत्र का माध्यम हिन्दी एवं अंग्रेजी होगा।
शोध सारांश (शब्द सीमा 250-300) प्रेषित करने की अंतिम तिथि : 16 मार्च 2023
एवं शोध आलेख (शब्द सीमा 2000) प्रेषित करने की अंतिम तिथि : 24 मार्च 2023
हिन्दी में : M.S. Word Document A4 size in
Krutidev 010 - Unicode/Mangal Font 12-14 with line space
अंग्रेजी में : M.S. Word Document A4 size Times New
Roman Font Size 12 with line space
शोध पत्र ई-मेल पर भेजा जा सकता है sanjaysaptarshiap@gmail.com
संपर्क करें - 9918175503, 9453636707, 9340442644
शोध पत्र का प्रकाशन ISBN NO. के साथ शोध जर्नल में प्रकाशित किया जाएगा।

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग.)

Phone : 07744-225036 email : principal@digvijaycollege.com

एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

ONE DAYS NATIONAL SEMINAR

26 मार्च 2023, रविवार

प्रति,
प्रो./डॉ. ____________________
____
____
____

- प्रेषक -
डॉ. के. एल. टाण्डेकर
प्राचार्य/संरक्षक
शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जिला - राजनांदगांव (छ.ग.), मो. नं. 94241-11204

एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

ONE DAYS NATIONAL SEMINAR

26 मार्च 2023, रविवार

भारतीय राजनीति : दशा एवं दिशा

INDIAN POLITICS : STATUS AND DIRECTIONS

प्रायोजक

उच्च शिक्षा विभाग
छ.ग. शासन, रायपुर (छ.ग.)
स्वशासी प्रकोष्ठ, जनभागीदारी समिति, आई. क्यू. ए. सी.

संरक्षक
डॉ. के. एल. टाण्डेकर
प्राचार्य
शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष	संयोजक
डॉ. अंजना ठाकुर	**डॉ. राजकुमार बंजारे**
प्राध्यापक	सहायक प्राध्यापक
राजनीति विज्ञान विभाग	राजनीति विज्ञान विभाग
आयोजन सचिव	सह-संयोजक
श्री संजय सप्तर्षि	**श्री हेमंत नन्दागौरी**
सहायक प्राध्यापक	सहायक प्राध्यापक
राजनीति विज्ञान विभाग	विधि विभाग

आयोजक
राजनीति विज्ञान विभाग
शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)

भारतीय राजनीति : दशा एवं दिशा

INDIAN POLITICS : STATUS AND DIRECTIONS

भारत को स्वतंत्र हुए आज 75 वर्ष हो चुके है, इस दौरान भारतीय राजनीति बहुत से उतार चढ़ाव से गुजर चुकी है, अपने शुरुआती दौर में भारतीय राजनीति आदर्शवादी रही है परन्तु बाद में यथार्थवादी चादर ओढ़ कर अपने मूल स्वरूप में प्रकट हुई है। 1952 में हुए पहले आम चुनाव से अब तक जितने भी चुनाव हुए हैं उनमें नि:सन्देह भारतीय लोकतंत्र एक सशक्त एवं परिपक्व लोकतंत्र के रूप में उभरा है साथ ही भारतीय राजनीति संक्रमण कालीन संविद सरकारों के दौर में उभर कर पूर्ण बहुमत वाली सरकार की ओर रुख कर चुकी है हम पिछले दो आम चुनाव में बखूबी देख सकते है। भारतीय राजनीति जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, वंशवाद जैसे गंभीर मुद्दो से निकलकर विकासवाद की दौर में आ चुकी है।

नि:संदेह भारतीय राजनीति में बहुत से उतार चढ़ाव हुए है। इन्ही की सार्थक एवं अकादमिक चर्चा के लिए यह राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया जा रहा है।

उद्देश्य (Objective)

1. भारतीय राजनीति में हुए परिवर्तनों का विशलेषण करना ।
2. भारतीय राजनीति के सकारात्मक एवं नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करना।
3. भारतीय राजनीति में शुचिता कायम रखने वाले तत्वों की पहचान करना।
4. भारतीय राजनीति में विभिन्न विचारधाराओं के प्रभाव मे चर्चा करना ।
5. भारतीय राजनीति में उभरते नवीन तत्वों की पहचान करना।

उपशीर्षक (Sub Thems)

1. भारतीय राजनीति @75 वर्ष
Indian Politics @75 Years.
2. भारतीय राजनीति एवं गांधीवादी दर्शन
India Politics & Gandhian Philosophy.
3. भारतीय राजनीति एवं संवैधानिक मूल्य
Indian Politics & Constitutional Values.
4. भारतीय राजनीति एवं सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका
Indian Politics & Role of Supreme Court
5. भारतीय राजनीति एवं चुनाव आयोग की भूमिका
Indian Politics & Role of Election Commission.
6. भारतीय राजनीति एवं क्षेत्रीय दलों की बढ़ती भूमिका
Indian Politics & Increasing Role of Regional Parties.
7. भारतीय राजनीति एवं मतदान व्यवहार
Indian Politics & Voting Behavior
8. भारतीय राजनीति एवं मीडिया की भूमिका
Indian Politics & Role of Media
9. भारतीय राजनीति एवं महिलाओं की भूमिका
Indian Politics & Role of Women
10. भारतीय राजनीति में विपक्ष की भूमिका
Indian Politics & Role of Opposition
11. भारतीय राजनीति एवं दल बदल
Indian Politics & Defection
12. भारतीय राजनीति एवं वैश्विक प्रभाव
Indian Politics & Global Effects
13. भारतीय राजनीति 100 वर्ष
Indian Politics & 100 Years
14. भारतीय राजनीति एवं संघवाद
Indian Politics & Federalism
15. भारतीय राजनीति एवं अन्य मुद्दे
Indian Politics & Other Issues

महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय :

राजनांदगांव शिक्षा मण्डल द्वारा 13 जुलाई सन् 1957 में स्थापित शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय उच्चतम शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में गौरव पूर्ण शिक्षण संस्थान है। इस महाविद्यालय का नाम वैरागी महंत राजा दिग्विजय दास से जुड़ा हुआ है। राजा जी इस नगर के उच्च शिक्षा के स्वप्न दृष्टा थे, इसलिए उन्होने अपने राज महल को दान किया था। महाविद्यालय के प्रथम वर्ष में 63 छात्र 9 छात्राएं तथा 6 अध्यापक थे 27 अगस्त 1973 को यह महाविद्यालय शासनाधीन हुआ, तब से इसकी प्रगती को नया मोड मिला और महाविद्यालय बहुआयामी पाठ्यक्रमों, गतिविधियों, सरोकारों तथा उपलब्धियों के साथ निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है।

वर्तमान में महाविद्यालय में 18 विषयों में स्नातकोत्तर, 24 विषयों में स्नातक और 10 विषयों में रोजगारोन्मुखी पाठ्यकमों में लगभग 6500 विद्यार्थियो का अध्ययन हो रहा है।यह महाविद्यालय अनुसंधान के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। वर्तमान में 9 अनुसंधान केन्द्र में 30 शोधार्थी विभिन्न विषयों में अनुसंधान कार्य कर रहें है।

राजनीति विज्ञान विभाग का परिचय

महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाम में स्नातक की कक्षाएं 1957 से एवं स्नातकोत्तर की कक्षाए 1982 से संचालित हो रही है। वर्तमान में 6 शोध छात्र डॉ. अंजना ठाकुर के निर्देशन में अनुसंधान कार्य कर रहें है।

सलाहकार समिति

डॉ. अलका मेश्राम, प्राचार्य, इंदिरा गांधी शासकीय कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, वैशाली नगर, भिलाई, दुर्ग
डॉ. प्रमोद यादव, सहायक प्राध्यापक, सुराना महाविद्यालय दुर्ग
डॉ. मनीषा शर्मा, प्राचार्य शा. नवीन कन्या महाविद्यालय, रायपुर
डॉ. प्रभा वेरुलकर, प्राध्यापक रा.दि.शा.पी.जी. महाविद्यालय, धमतरी
डॉ. नागरत्ना गणवीर, प्रभारी प्राचार्य शास. महाविद्यालय, रिसाली, दुर्ग
डॉ. डी. पी. कुर्रे, प्राध्यापक विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग
डॉ. के. एन. प्रसाद विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग
डॉ. शैलेन्द्र सिंह, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग
डॉ. एच. एस. अलरेजा, विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग
डॉ. ए. के. मंडावी, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग

आयोजन समिति

डॉ. अंजना ठाकुर, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग
डॉ. अमिता बक्शी, प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग
डॉ. राजकुमार बंजारे, सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग
श्री संजय सप्तर्षि, सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग
श्री हेमन्त नन्दागौरी, सहायक प्राध्यापक विधि विभाग

एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

ONE DAYS NATIONAL SEMINAR

भारतीय राजनीति : दशा एवं दिशा

INDIAN POLITICS : STATUS AND DIRECTIONS

26 मार्च 2023, रविवार

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि

डॉ. वंशगोपाल सिंह
कुलपति
पं. सुंदरलाल शर्मा मुक्त वि.वि. बिलासपुर

संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता

प्रो. (डॉ.) निसार उल हक

डॉ. मंदाकिनी माहोरे

डॉ. रागेन्द्र कुमार मिश्र

डॉ. डी. एन. सूर्यवंशी
पूर्व प्राचार्य

डॉ. आर. के. पुरोहित
पूर्व प्राचार्य

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग.)

दिग्विजय महाविद्यालय के राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में शामिल हुए आईपीएस

नवभारत रिपोर्टर. राजनांदगांव।

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा ''भारतीय राजनीतिः दशा एवं दिशा'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वाग्देवी मां भारती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चरणों में दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया. उसके पश्चात छत्तीसगढ़ राजगीत की प्रस्तुति की गई. समस्त अतिथियों एवं विषय विशेषज्ञों का फूल माला और बैज लगाकर स्वागत किया गया. शोध स्मारिका का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया.

राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर ने अपने स्वागत उद्बोधन में समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुए संगोष्ठी आयोजन के रूपरेखा एवं उद्देश्यों का विस्तार से प्रकाश डाला. महाविद्यालय के प्राचार्य एवं उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष डॉ. के. एल. टांडेकर ने कहा कि स्व.महंत राजा दिग्विजय दास द्वारा उच्च शिक्षा के लिए एक दीप प्रज्ज्वलित किया गया था जो आज विशाल वट वृक्ष बन चुका है. इस महाविद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा, राजनीति, प्रशासनिक सेवा एवं सामाजिक सेवा जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सुशोभित होकर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है. उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति डॉ. वंश गोपाल सिंह जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान राजनीति सत्ता पर काबिज होने और जनता को प्रभावित करने की राजनीति है. राजनीति के इर्द-गिर्द सारी व्यवस्थाएं घूम रही है यह बड़ी विडंबना है. राजनीति को सामंतवादी सोच से मुक्त होना चाहिए.

प्रथम तकनीकी सत्र के विषय विशेषज्ञ डॉ. निसार उल हक, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय दिल्ली ने कहा कि गांधी जी ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा. भारत का इंस्टिट्यूशन दुनिया का सर्वश्रेष्ठ इंस्टिट्यूशन है. भारत की डेमोक्रेसी मजबूत है. डेमोक्रेसी का मतलब केवल वोट डालने तक सीमित नहीं है. वास्तविक प्रतिनिधि वह होता है जो जनता का प्रतिनिधित्व करें, ना कि किसी पार्टी का. वर्तमान राजनीति प्राइवेटाइजेशन और ग्लोबलाइजेशन पर केंद्रित है. पब्लिक और प्राइवेट पार्टनरशिप में संसाधनों के उचित उपयोग की जिम्मेदारी स्वयं सरकार की है.

विशिष्ट अतिथि निदेशक राज्य पुलिस अकादमी रायपुर, छत्तीसगढ़ के आईपीएस अधिकारी रतनलाल डांगी ने अपने शोधपत्र का वाचन करते हुए कहा कि भारतीय राजनीति सबको पढ़ना चाहिए। देश कैसे चलता है.

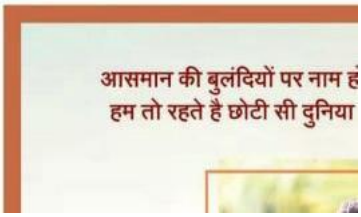

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Rajnandgaon - 30 Mar 2023 - 30rajn3
epaper.navabharat.news

नवभारत my city

एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा भारतीय राजनीति : दशा एवं दिशा विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया. उसके पश्चात छत्तीसगढ़ राजगीत की प्रस्तुति की गई. राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना ठाकुर ने अपने स्वागत उद्बोधन में समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुए संगोष्ठी आयोजन के रूपरेखा एवं उद्देश्यों का विस्तार से प्रकाश डाला. प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने कहा कि स्वर्गीय महंत राजा दिग्विजय दास द्वारा उच्च शिक्षा के लिए एक दीप प्रज्ज्वलित किया गया था जो आज विशाल वट वृक्ष बन चुका है. उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति डॉ. वंश गोपाल सिंह जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान राजनीति सत्ता पर काबिज होने और जनता को प्रभावित करने की राजनीति है.

एक दिवसीय

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

ONE DAYS NATIONAL SEMINAR

भारतीय राजनीती : दशा एवम् दिशा

INDIAN POLITICS : STATUS AND DIRECTIONS

26 मार्च 2023, रविवार

प्रायोजक

उच्च शिक्षा विभाग

छत्तीसगढ़ शासन रायपुर (छ. ग.)

स्वशासी प्रकोष्ठ, जनभागीदारी समिति, आई . क्यू. ए. सी.

SOUVENIR

आयोजक

राजनीती विज्ञान विभाग

शास. दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव

एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
on
भारतीय राजनीति : दशा एवं दिशा
INDIAN POLITICS : STATUS AND DIRECTIONS
26 मार्च 2023, रविवार
आयोजक
राजनीति विज्ञान विभाग

एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
on
भारतीय राजनीति : दशा एवं दिशा
INDIAN POLITICS : STATUS AND DIRECTIONS
26 मार्च 2023, रविवार
आयोजक
राजनीति विज्ञान विभाग
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
INDIAN POLITICS : STATUS AND DIRECTIONS
26 March 2023, Sunday
ORGANISED BY : DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
ONE DAY NATIONAL SEMINAR
on
INDIAN POLITICS :

- **विभाग की उपलब्धियां-**

1. विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर राजनीति विज्ञान विभाग, राजा भोज शासकीय महाविद्यालय, कटंगी,बालाघाट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महिला नेतृत्व की प्रासंगिकता में विषय विशेषज्ञ (Resource Person) रही।

2.सहायक प्राध्यापक डॉ राजकुमार बंजारे School selection committee, Yugantar Public School, राजनांदगांव, में सदस्य रहे।

3. विभागाध्यक्ष डॉ अंजना ठाकुर ने शासकीय महाविद्यालय, डौंडी में राजनीति विज्ञान पर विशेष व्यख्यान दिया।

4.सहायक प्राध्यापक डॉ राजकुमार बंजारे ने सुशासन दिवस पर जिला कार्यालय, राजनांदगांव में विशेष व्यख्यान दिया।

5. सहायक प्राध्यापक डॉ राजकुमार बंजारे ने शासकीय कमला देवी राठी महाविद्यालय, राजनांदगांव, में मानवाधिकार दिवस पर विशेष व्यख्यान दिया।

6. सहायक प्राध्यापक प्रो. संजय सप्तर्षि ने भारतीय विदेश नीति विषय पर शासकीय लाल चक्रधर शाह महाविद्यालय, अम्बागढ़ चौकी में व्यख्यान दिया।

7.सहायक प्राध्यापक (विधि)प्रो.हेमंत नंदा गौरी ने अंतरराष्ट्रीय कॉफ्रेंस में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

8. एम.ए. प्रथम की छात्रा कु. गीतांजलि साहू ने सम्भाग स्तर पर आयोजित इलेक्शन क्विज प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

9.एम.ए. प्रथम की छात्रा कु. सुरेखा सोरी ने स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।